

न्यायालय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट हरिद्वार।
संक्षेपतः विचारित मामले में निर्णय अन्तर्गत धारा 287 भा.ना.सु.सं.,2023

वाद संख्या—

6559 / 2026

रिपोर्ट या परिवाद की तारीख—

चालानकर्ता—उ०नि० वीरेन्द्र पाण्डेय।

अभियुक्त का नाम— सुंघाशु पुत्र करणपाल।

प्रश्न—

आपके विरुद्ध यह आरोप है कि आप वाहन संख्या UK 08BH 8258 को शराब पीकर तेजी एवं लापरवाही से चला रहे थे ? जिसकी चालानी रिपोर्ट संख्या UK209323251120181006 है।

उत्तर—

जी हां।

प्रश्न—

क्या आप अपना अपराध स्वेच्छा पूर्वक स्वीकार करते हैं?

उत्तर—

जी हां।

अभियुक्त के बयान दर्ज किये गये। अभियुक्त द्वारा आक्षेपित अपराध स्वेच्छा पूर्वक स्वीकार कर लिया गया है। तदनुसार अभियुक्त के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम की धारा 185,181 का अपराध पूर्णतः साबित होता है। आदेश निम्नवत पारित किया जाता है।

आदेश

अभियुक्त को मोटर वाहन अधिनियम की धारा 185,181 के तहत दोषसिद्ध किया जाता है। अभियुक्त को उपरोक्त धाराओं के अन्तर्गत अपराध के लिए मु० 15,000 / रुपये जुर्माने से दण्डित किया जाता है। जुर्माना अदा न करने पर अभियुक्त 15 दिन का साधारण कारावास भोगेगा। वाद तदनुसार निस्तारित किया जाता है।

(संदीप कुमार)

मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट,
हरिद्वार।

अभियुक्त के द्वारा जुर्माना धनराशि जमा करने की प्रार्थना की गयी।

अभियुक्त के द्वारा जुर्माना रसीद नम्बर/ट्रॉजेक्शन आई०डी० नम्बर 8423615299413 के माध्यम से जमा किया गया। मामले में अब कोई कार्यवाही शेष नहीं है। पत्रावली दाखिल दफ्तर की जाये। सम्बन्धित थानाध्यक्ष वाहन अविलम्ब वाहन स्वामी के पक्ष में निर्मुक्त करना सुनिश्चित करें।

(संदीप कुमार)

मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट,
हरिद्वार।

08.06.2026